सरदार बलविन्दर सिंह भुंडर (पंजाब): मैडम, मुझे भी एक मिनिट का समय दिया जाए। ....(**व्यवधान**)....

उपसभापति : श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया।

सरदार बलविन्दर सिंह भुंडर : मैडम, इन के बाद मुझे भी पंजाब के बारे में बोलने की इजाजत दी जाए। ...(**व्यवधान**)....

उपसभापति : उन्हें बोल तो लेने दीजिए, आप बीच में कैसे बोल रहे हैं । ....(**व्यवधान**).... मुझे नहीं मालूम। मेरी टेबिल पर मुझे जो कागज मिले हैं, उस में उन का नाम लिखा है। इसलिए मैं पहले उन को बुलाऊंगी।

Lifting of Paddy from Punjab Mandis

SHRI BALWANT SINGH RAMOOWALIA (Uttar Pradesh): Madam, this country is lucky to have the cooperation of the farming community which produces a lot to save this country from embarrassment as well as saves foreign exchange by producing a lot of grain. But, today, we are seeing bad days when the Punjab farmers are being punished for producing more. Paddy was produced and India was made self-sufficient by the Punjab farmers and Haryana farmers. The paddy is being ruined. The paddy is rotting in Punjab mandis because of the callous attitude of the Union Government in regard to the lifting of the paddy from the mandis. The paddy in Punjab was also in a glut and it was rotten because of the rain in 1998 when the damages were estimated to be to the tune of Rs.1000 crores. Madam, this time, for the last three months, papers like the *Tribune*, the *Asian Age*, the *Hindustan Times*, carried stories that the FCI...

उपसभापति : अभी इतना लम्बा नहीं बोलिए, छोटा बोल दीजिए, भाषण नहीं करना है। आई एम सॉरी। चेयरमैन साहब ने आउट आफ दि वे आपको बुलाया, आप मसले पर बात कीजिए, आप यहां पूरी एग्रीकल्चर पॉलिसी पर डिस्कस नहीं करेंगे । आई एम सॉरी, मेरे पास टाइम नही है।

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया : आप मुझे बोलने तो दें।

उपसभापति : इतना लम्बा नहीं बोलने दूंगी।

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया : आपने सुना ही नहीं, मैं क्या बोल रहा हूं।

Madam, the paddy is lying in the mandis. The FCI has refused to enter. The FCI was warned and cautioned. The State Government also protested. We people took up the issue here in this House that the FCI was knowingly refusing to enter the Punjab mandis to lift the paddy. The damage to the farmers can be to the tune of Rs.2000 crores. Paddy has started arriving at the mandis for the last 15 days. Even today, the FCI has not entered the Punjab mandis.

Madam, this is my last point. Here, you were very keen to listen to the woes of Andhra people because of the natural calamity. Here is a Government calamity. The Government is not entering the mandis. The hon. Leader of the House may kindly assure us that they will direct the FCI to enter the Punjab mandis and purchase the paddy.

सरदार बलविन्दर सिंह भुंडर (पंजाब): ऑनरेबल डिप्टी चेयरमैन साहिबा, यह पंजाब का और देश का सबसे बड़ा मसला है, जो मैं कहने जा रहा हूं। कोई वक्त था जब देश दाने-दाने को तरस रहा था, लेकिन पंजाब वालों ने देश को इतना अनाज पैदा करके दिया कि अब उसे बेचने की प्रॉब्लम हो गई है। पहले एफ.सी.आई. पंजाब के किसानों को घेरकर, पुलिस लगाकर, उनसे जबर्दस्ती झोना खरीदती थी, लेकिन इस बार अभी तक उन्होंने न तो सपोर्ट प्राइस का फैसला किया है और न यह फैसला किया है कि एफ.सी.आई. को पंजाब की मार्किट में कब दाखिल होना है। महोदया, एक सितम्बर से पंजाब की मंडियों में झोना आने लग जाता है। पिछले साल का 5.5 टन अभी तक मिलिंग के बगैर पंजाब के गोदामों में पड़ा है और गोदाम भरे पड़े हैं।

मिनिस्टर साहब बार-बार कह रहे हैं कि हम सोचेंगे। एक तारीख बहुत जल्दी आने वाली है और सैशन का आज लास्ट दिन है, इसलिए मैं आपके ज़रिए सरकार से विनती करूंगा कि इस मसले पर वह नोट ले क्योंकि यह मसला अकेले पंजाब के किसान का नहीं है, यह देश में ऐजिटेशन का रूप ले सकता है। अगर किसान तबाह हो गया तो वे 40-45 लाख मज़दूर, जो बिहार और यू.पी. से मज़दूरी करने के लिए वहां आते हैं, वे भी तबाह हो जाएंगे। पंजाब बार्डर स्टेट है और अगर वहां का किसान, जो केवल किसानी पर गुजारा करता है, वह तबाह हो गया तो पूरा स्टेट तबाह हो जाएगा। वहां अनऐम्प्लॉयमेंट पहले ही बहुत ज्यादा है, ऐसे में अगर उसका यह झोना भी रुल गया तो बड़ी तबाही हो जाएगी।

इसलिए मैं आपके ज़रिए सरकार से कहना चाहता हूं कि वह तुरंत इसका नोट ले और मंडियों में दाखिल होने की जो एफ.सी.आई. की डयूटी है, सैक्शन 13 के तहत 100 परसैंट एफ.सी.आई. को खरीदना पड़ता है, पहले उन्होंने इंतजाम किया था लेकिन अब एक परसैंट भी वह वहां की मंडियों में दाखिल नहीं हो रही है।

इसलिए मैं सरकार से आपके ज़रिए कहना चाहता हूं कि पंजाब की मार्किट से एफ.सी.आई. 100 परसैंट झोना खरीदने का जल्दी से जल्दी फैसला करे। ...**(व्यवधान)**...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, that is over. I am not allowing anybody. Now, I am calling the Minister. ...*(Interruptions)*...

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (Kerala): Madam, I have given notice.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is no notice.

SHRI N.K. PREMACHANDRAN: I have given notice that three lakh workers are on strike today...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Premachandran, please take your seat. I will proceed according to the business which is on my table, and not according to what you are saying to me. I go by the business which comes from the Table Office to my table, and I will follow that. Now, the Leader of the House wants to say something.

सदन के नेता (श्री जसवन्त सिंह) : महोदया, माननीय सदस्यों ने जो मसला उठाया है, मैं उनको आश्वासन देना चाहता हूं कि सरकार इसकी तरफ पूरी तरह से सजग है। ऐसा नहीं है कि यह केवल पंजाब का सवाल है। यह सवाल ही नहीं उठता कि इस मसले की अनदेखी की जाएगी। आप भरोसा रखिए कि इसके बारे में सरकार पूरी तरह से सजग है।

श्री रामदेव भंडारी (बिहार) : महोदया, मुझे एक मिनट का समय दीजिए।

उपसभापति : नहीं-नहीं, अभी नहीं। वे बोल रहे हैं।

श्री रामदेव भंडारी : महोदया, मैं बिहार के बारे में कुछ कहना चाहता हूं।

उपसभापति : अरे, आप बीच में कैसे बोलेंगे? अभी यहां बिल डिस्कस हो रहा है, दूसरा बिजनैस शुरू हो गया है। भंडारी जी, आप तो इतने समझदार हैं।

श्री रामदेव भंडारी : महोदया, मैं सिर्फ एक मिनट चाहता हूं।

उपसभापति : नहीं, बीच में नहीं बोल सकते।

श्री रामदेव भंडारी : महोदया, यह मसला बहुत महत्वपूर्ण है।

उपसभापति : यह डिस्कशन खत्म हो जाए, उसके बाद बोलिएगा।

श्री रामदेव भंडारी: महोदया, बिहार में 20 से अधिक जिलों में बाढ़ आ गई है ...**(व्यवधान)**...

उपसभापति : देखिए, एक मिनट, मेरी बात सुनिए।

श्री रामदेव भंडारी : चूंकि आंध्र का मामला यहां उठा था ....

उपसभापति : आप बैठ जाइए।

श्री रामदेव भंडारी : मैं बैठता हूं। महोदया, मैं हमेशा आपकी आज्ञा का पालन करता हूं।

उपसभापति : आप बैठिए, देखिए मंत्री जी खड़ी हैं । मैंने बिजनैस बुला लिया है। आपका नाम मेरी टेबल पर नहीं था। आप बैठिए ना, बहस क्यों कर रहे हैं?

श्री रामदेव भंडारी : मैं आज्ञा-पालक हूं, मैं बैठता हूं।

उपसभापति : मैं आपको बता दूं कि जब बिल खत्म हो जाएगा, उसके बाद हम आपका मसला ले लेंगे। जब एक बिजनैस शुरू हो जाता है तो उसके बीच में आप बिहार पर बोल भी देंगे तो उसका कोई नतीजा नहीं निकलेगा क्योंकि it will get lost. इनका बिल पूरा हो जाए, इस पर एक ही घंटे का समय दिया गया है और खाली 3 लोग इस पर बोलने वाले हैं। इसके बाद आप बोल लीजिएगा। बिहार से सबको हमदर्दी है, जैसे आंध्र से हमदर्दी है। Now, we will take up the Rehabilitation Council of India (Amendment) Bill, 2000 ...*(Interruptions)*...

SHRI N.K. PREMACHANDRAN: Madam, three lakh telephone workers are on a strike. ...*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. N.K. Premachandran, why are you interrupting? We have taken up the Rehabilitation Council of India (Amendment) Bill, 2000. Are you not concerned about the rehabilitation of the handicapped people? Please take your seat. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record without my permission.

SHRI N.K. PREMACHANDRAN *

THE REHABILITATION COUNCIL OF INDIA (AMENDMENT) BILL, 2000.

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (MS. MANEKA GANDHI): Madam, I beg to move:-

"That the Bill to amend the Rehabilitation Council of India Act, 1992, as passed by Lok Sabha, be taken into consideration. "

Should I speak now, Madam?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes.

---

* Not recorded.